मासिक पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-17
कक्षा : दसवीं
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित क्रियाएं
अप्रैल	**कविता :** दोहावली	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.नैतिक व चारित्रिक विकास करना। 4.प्रेरणादायक दोहों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 5.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन किया जाये। 2. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3. विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवाया जाये।
	निबन्ध : मित्रता	1.सच्ची मित्रता का महत्व बताना। 2.सही मित्र के चुनाव के बारे में ज्ञान विकसित करना। 3.सत्संगति का महत्व बताना।	1.अपने गाँव में लगने वाली ग्राम पंचायत के बारे में चर्चा की जाये। 2. 'मित्र को महत्व दें अथवा न्याय व्यवस्था को' - पर विद्यार्थियों के बीच चर्चा करते हुए उनको अपने विचार रखने का अवसर दिया जाये।
	व्याकरण : संधि (स्वर संधि-दीर्घ संधि, गुण संधि)	1.शब्द- भंडार में वृद्धि करना। 2.संधि(स्वर संधि-दीर्घ संधि, गुण संधि) व संधिविच्छेद द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.स्वर संधि (दीर्घ संधि, गुण संधि) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण करना सिखाया जाये। 2.दीर्घ संधि, गुण संधि से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण (भाग-क से ग तक)	1.शब्द -भंडार में वृद्धि करना। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.जातिवाचक संज्ञा,सर्वनाम व विशेषण शब्दों के उदाहरणों द्वारा भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : पर्यायवाची शब्द (1-20 तक)	1.शब्द -भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । 3.पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	जल के अंत में 'ज' लगाकर 'कमल' 'द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं-इस तरह या अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करना सिखायें।
	व्याकरण : विलोम शब्द- 1 (i - xiii तक)	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना ।	उपसर्गों से विलोम शब्द बनाने के उदाहरण सिखाये जायें-सुपुत्र में 'सु' के स्थान पर 'कु' लगाकर 'कुपुत्र'विलोम शब्द बनता है ।
	व्याकरण : मुहावरे (1-15 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द-भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	अनुच्छेद : मेरी दिनचर्या	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति विकसित करना । 2.दिनचर्या को नियमित करने के लाभ बताना।	1.' मेरी दिनचर्या' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मेरी पहली हवाई यात्रा	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति विकसित करना । 2.हवाई अड्डे और हवाई यात्रा का ज्ञान देना।	1.विद्यार्थियों से उनसे इस प्रकार के अनुभवों पर चर्चा की जाये । 2.यदि किसी विद्यार्थी /अध्यापक द्वारा हवाई यात्रा की गई हो तो उन अनुभवों को प्रस्तुत किया जाये। 3.इस तरह की बस, रेल आदि यात्रा के

			अनुभवों पर भी चर्चा की जाये।
	पत्र :डाटा एन्ट्री ऑपरेटर पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र ।	1.रोज़गार पाने हेतु आवेदन पत्र लिखने का ज्ञान देना। 2.सही व प्रभावशाली आवेदन पत्र का महत्व बताना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
मई	**कविता :** पदावली	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.प्रेरणादायक पदों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 4.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन करवाया जाये। 2.कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3.विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवाया जाये।
	कहानी : नर्स	1.माँ की ममता को प्रकट करना। 2.नर्स के सेवाभाव और ममता को उजागर करना। 3.नर्सिंग करियर के प्रति प्रेरित करना।	1. 'नर्सिंग करियर नहीं अपितु मानवता की सेवा है'- इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में कक्षा में चर्चा की जाये। 2.सेवा भाव की धनी मदर टेरेसा के समाज सेवा से सम्बन्धित चित्रों को इकट्ठा करें। 3. 12 मई को अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का आयोजन करें।
	अनुवाद : पंजाबी के गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक गद्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	व्याकरण : संधि (वृद्धि संधि,यण् संधि)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.संधि(स्वर संधि- वृद्धि संधि,यण् संधि) व संधिविच्छेद द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.स्वर संधि (वृद्धि संधि,यण् संधि) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण करना सिखाया जाये। 2. वृद्धि संधि,यण् संधि से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : विशेषण निर्माण (भाग-क)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.विशेषण निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.संज्ञा शब्दों के उदाहरणों द्वारा विशेषण निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.विशेषण निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : समरूपी भिन्नार्थक शब्द (1-20 तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.सही शब्द का सही स्थान पर प्रयोग करना सिखाना।	1.समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का वाक्य प्रयोग करके उनका सही प्रयोग करना सिखाया जाये। 2.रिक्त स्थान की पूर्ति द्वारा समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का प्रयोग सिखायें।
	व्याकरण : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (1-35 तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.गागर में सागर भरना - सिखाना। 3.भाषा का प्रभावशाली प्रयोग करना सिखाना।	1.अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के उदाहरण देकर उनके एक शब्द बनवाये जायें। 2.अनुच्छेद,पत्र लेखन आदि रचनात्मक लेखन में इनका प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : लोकोक्तियाँ (1-15 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	विज्ञापन :	1.रचनात्मक लेखन में कुशल बनाना।	विज्ञापन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को

	(1-7 तक)	2.विज्ञापन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना	मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	अपठित गद्यांश (1-2 तक)	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये।
	अनुच्छेद : मेरे जीवन का लक्ष्य	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.भिन्न-भिन्न व्यवसायों के प्रति जागरूक करना। 3.उचित व्यवसाय का चुनाव करने योग्य बनाना। 4.छात्रों को रटन्त प्रवति से दूर करना।	1.कक्षा में सभी विद्यार्थियों से भिन्न-भिन्न व्यवसायों की चर्चा की जाये। 2.सभी विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के बारे में हिंदी में बोलने / लिखने के अवसर दिये जायें।
	अनुच्छेद : हम घर में सहयोग कैसे करें	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.सहयोग का महत्व बताना। 3.छात्रों को रटन्त प्रवति से दूर करना।	1.' हम घर में सहयोग कैसे करें' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपनी गलती के लिए क्षमा याचना करते हुए अपने स्कूल के प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3. नैतिक मूल्यों का विकास करना। 4.नेतृत्व की भावना विकसित करना। 5.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र : विषय बदलने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्या को पत्र ।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3. सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना। 4.नेतृत्व की भावना विकसित करना। 5.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकता है।**		
जुलाई	**निबन्ध :** मैं और मेरा देश	1.देशभक्ति की भावना विकसित करना। 2.सौन्दर्य-बोध और शक्ति-बोध के प्रति सचेत करना। 3.सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना। कर्तव्यबोध की भावना जगाना।	1.देश के विकास के प्रति हमारा कर्तव्य- विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2.सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा कैसे करें- पर सभी विद्यार्थियों के विचार सुने जायें। 3.देश को सुन्दर व मज़बूत बनाने हेतु विद्यार्थियों से उनके सुविचार जानें। 4.मतदान से लोकतंत्र की रक्षा के बारे में लिखने को कहा जाये।
	एकांकी : सूखी डाली	1.सुखी परिवार में परिवार के सभी सदस्यों का योगदान -की भावना पैदा करना। 2.बड़ों का आदर व छोटों से प्रेम की भावना विकसित करना। 3.अहं को छोड़कर घर को टूटने से बचाने की ओर उन्मुख करना। 4.दहेज : एक कलंक के प्रति जागरूक करना।	1. सुखी परिवार में परिवार के सभी सदस्यों का योगदान - पर विचार लिखने को कहा जाये। 2.संयुक्त परिवारों के विघटन में पुरानी पीढ़ी अथवा नयी पीढ़ी ज़िम्मेवार है? पर वाद-विवाद प्रतियोगिता करवायी जाये। 3. दहेज : एक कलंक - पर वाद-विवाद प्रतियोगिता करवायी जाये।
	कहानी : ममता	1.विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में निहित मूल्य -अतिथि देवो भव से अवगत करवाना। 2.भारतीय नारी के आदर्श, कर्तव्यनिष्ठा,	1.विद्यार्थियों से पाठ में आए 'अतिथि देवो भव' सम्बन्धी विचार लिखवाये जायें। 2.जीवन मूल्यों पर आधारित महान पुरुषों के जीवन की घटनाएं पढ़ने को दी जायें।

		धर्म परायणता, नैतिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना। 3.विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार का विरोध करने और रिश्वतखोरी से बचकर जीने की ओर प्रेरित करना। 4. कहानी के अंतिम मूलभूत उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति करवाना।	3.छात्रों से इस कहानी में आए भारतीय नारी के आदर्श,कर्तव्यनिष्ठा एवं धर्म परायणता सम्बन्धी बातों को ढूँढ़कर लिखने को कहें। 4.जयशंकर प्रसाद की ऐतिहासिक रचनाएं पढ़ने को दी जायें। 5.'ममता' कहानी को इंटरनेट से डाउनलोड करके विद्यार्थियों को सुनवाया जाये।
	प्रपत्र पूर्ति : बैंक प्रपत्र(रुपये जमा करवाने व निकलवाने सम्बन्धी)	प्रपत्र पूर्ति का व्यावहारिक ज्ञान देना।	बैंक के खाली प्रपत्रों को देकर विद्यार्थियों से भरवाया जाये।
	सूचना तथा प्रतिवेदन सूचना (1-2), प्रतिवेदन (1-2)	1.रचनात्मक लेखन में कुशलता प्रदान करना। सूचना तथा प्रतिवेदन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 2.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना	सूचना तथा प्रतिवेदन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	व्याकरण : अनेकार्थक शब्द (1-15)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.शब्द को उसके अर्थ के अनुरूप प्रयोग करना सिखाना।	एक शब्द के अनेक अर्थों को वाक्यों में प्रयोग करके सिखाया जाये।
	व्याकरण : वाक्य शुद्धि (बिन्दु 1-6 तक)	1.भाषा का शुद्ध रूप सिखाना। 2.व्यावहारिक ढंग से वाक्य शुद्धि का ज्ञान देना।	संज्ञा, सर्वनाम,वचन, लिंग, परसर्ग चिह्न, विशेषण से सम्बन्धित अशुद्धियों के उदाहरण देकर उन्हें शुद्ध रूप में प्रयोग करना सिखाया जाये ।
	व्याकरण : **संधि** (अयादि संधि)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.संधि(स्वर संधि- अयादि संधि) व संधिविच्छेद द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.स्वर संधि (अयादि संधि) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण करना सिखायें। 2. अयादि संधि सम्बन्धी चार्ट बनवायें।
	समास : (तत्पुरुष)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.समास (तत्पुरुष) द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.समास (तत्पुरुष) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा शब्द निर्माण करना सिखाया जाये। 2.तत्पुरुष समास से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	अनुच्छेद : गाँव का खेल मेला	1. रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.खेलों में रुचि पैदा करना। 3.भिन्न भिन्न ग्रामीण खेलों की जानकारी देना। 4.गाँव के खेल मेले के द्वारा ग्रामीण झाँकी दिखाना।	1.विद्यार्थियों को अपने गाँव/कस्बे में आयोजित होने वाले खेल मेले के बारे में कक्षा में बोलने का अवसर देना ताकि जो गाँव में नहीं रहते,भी खेल मेले के बारे में जान सकें। 2.इस तरह के अन्य अनुच्छेद लिखवाये जायें।
	अनुच्छेद : परीक्षा में अच्छे अंक पाना ही सफलता का मापदंड नहीं	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.परीक्षा का डर दूर करना। 3,अंकों की अपेक्षा आशावादी दृष्टिकोण अपनाने की ओर प्रेरित करना। 4.रुचियों और अपनी क्षमताओं को पहचानकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देना।	1.विद्यार्थियों से उनके जीवन के लक्ष्य के बारे में हिंदी में बोलने को कहा जाये। 2.विद्यार्थियों के साथ ऐसे महान विद्वानों/ वैज्ञानिकों/खिलाड़ियों की चर्चा की जाये, जिन्होंने स्कूल स्तर पर अकादमिक तौर पर अच्छा प्रदर्शन न करने के बावजूद अभूतपूर्व सफलता अर्जित की ।
	पत्र : कक्षा की समस्याओं को हल करवाने के सम्बन्ध में विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र ।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.नेतृत्व की भावना विकसित करना। 4.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।

अगस्त	**कविता :** नीति के दोहे	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.नैतिक व चारित्रिक विकास करना। 4.प्रेरणादायक दोहों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 5.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन करवाया जाये। 2.कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3.विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवायाा जाये।
	निबन्ध : राजेन्द्र बाबू	1. संस्मरण विधा का ज्ञान देना। 2. भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद के व्यक्तित्व से परिचित कराना। 3. नैतिकता का विकास करना। 4. भारत के राष्ट्रपतियों से अवगत कराना।	1.संस्मरण विधा का परिचय देता हुआ चार्ट बनवायें। 2.निबन्ध पढ़कर राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद के व्यक्तित्व की विशेषताएं लिखवायें। 3.फैन्सी ड्रैस प्रतियोगिता में राजेन्द्र प्रसाद जैसी आकृति व वेशभूषा धारण करें । 4.'सरलता व सादगी का व्यक्तित्व पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है'-इस विषय पर पक्ष व विपक्ष में हिंदी में चर्चा करें ।
	कहानी : अशिक्षित का हृदय	1.प्रकृति के साथ मानव के भावात्मक सम्बन्ध को दर्शाना। 2.पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना। 3.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम का समावेश की अनुभूति करवाना।	1.पेड़ लगाओ,पर्यावरण बचाओ-जैसे नारे लिखवा कर कक्षा में अथवा स्कूल प्रांगण में लगवायें। 2.स्कूल अथवा आस-पास पौधारोपण करवाया जाये । 3.पेड़-पौधों के चित्रों की एलबम बनवायें। 4.इस कहानी को एकांकी के रूप में लिखकर उसका मंचन करवाया जाये।
	व्याकरण : (कर्मधारय समास)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.समास (कर्मधारय) द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.समास (कर्मधारय) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा शब्द निर्माण करना सिखाया जाये। 2. कर्मधारय समास से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण का शेष भाग (घ-ङ तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.क्रिया और अव्यय शब्दों के उदाहरणों द्वारा भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	मुहावरे (16-30 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल व छोटे वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से अर्थ और मुहावरों के प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	व्याकरण :विलोम शब्द(शेष भाग)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना ।	मूल रूप में प्रयुक्त विलोम शब्दों के अधिकाधिक उदाहरण करवाये जायें।
	अनुवाद : पंजाबी के गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	पत्र : स्वास्थ्य अधिकारी को क्षेत्र/मुहल्ले की सफाई कराने सम्बन्धी प्रार्थना पत्र ।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.सफाई का महत्व बताना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।

	पत्र : रोडवेज़ के महाप्रबन्धक को बस में छूट गए सामान के बारे में आवेदन पत्र ।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.मुश्किल में सूझ-बूझ से काम लेने के योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	अनुच्छेद : भ्रमण : ज्ञान वृद्धि का साधन	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.भ्रमण का विस्तृत रूप में ज्ञान देना। 3. ऐतिहासिक, धार्मिक,प्राकृतिक व अद्भुत स्थानों को जानने के बारे में उत्सुकता उत्पन्न करना।	1.' भ्रमण :ज्ञान वृद्धि का साधन' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : प्रकृति का वरदान : पेड़ पौधे	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना। 3.पेड़-पौधों का महत्व बताना। 4.पेड़-पौधों के संरक्षण की भावना विकसित करना।	1.' प्रकृति का वरदान :पेड़ पौधे' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.पर्यावरण जागरूकता संबंधी नारे लिखवायें। 3.पेड़ों के लाभ सम्बन्धी चार्ट बनवायें। 4. इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये ।
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें । दोहराई एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम : अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**कविता :** हम राज्य लिए मरते हैं	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.किसानों के अन्नदाता रूप को प्रकट करना। 3.किसानों की सहनशीलता,परिश्रम और उदारता को प्रकट करना। 4.किसानों के प्रति कृतज्ञता की भावना पैदा करना।	1. किसानों की दिनचर्या की मुख्य बातों की सूची बनवायें। 2. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3.किसानों के जीवन से सम्बन्धित वैशाखी मेले के चित्र चार्ट पर चिपकवायें।
	निबन्ध : सदाचार का तावीज़	1.भ्रष्टाचार के कारण तथा निवारण के प्रति विवेक उत्पन्न करना। 2.निबन्ध की व्यंग्यात्मक शैली की जानकारी देना।	1. भ्रष्टाचार के निवारण हेतु नारा लेखन,भाषण,निबन्ध,कविता आदि प्रतियोगिताएं आयोजित करें । 2.इस निबन्ध को लघु नाटिका के रूप में लिखकर स्कूल-मंच पर मंचित करवायें। 3. सदाचार से सम्बन्धित कहानियाँ पढ़ें।
	व्याकरण : विशेषण निर्माण - शेष भाग(ख-घ तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.विशेषण निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.सर्वनाम,क्रिया और अव्यय शब्दों के उदाहरणों द्वारा विशेषण निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.विशेषण निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : समरूपी भिन्नार्थक शब्द (1-20 तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.सही शब्द का सही स्थान पर प्रयोग करना सिखाना।	1.समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का वाक्य प्रयोग करके उनका सही प्रयोग करना सिखाया जाये। 2.रिक्त स्थान की पूर्ति द्वारा समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का प्रयोग सिखायें।
	व्याकरण : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (शेष भाग)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.गागर में सागर भरना - सिखाना। 3.भाषा का प्रभावशाली प्रयोग करना सिखाना।	1.अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के उदाहरण देकर उनके एक शब्द बनवायें। 2.अनुच्छेद,पत्र लेखन आदि रचनात्मक लेखन में इनका प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : अनेकार्थक शब्द (शेष भाग)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.शब्द को उसके अर्थ के अनुरूप प्रयोग करना सिखाना।	एक शब्द के अनेक अर्थों को वाक्यों में प्रयोग करके सिखाया जाये।

	लोकोक्तियाँ (16-25 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	सूचना तथा प्रतिवेदन (शेष भाग)	1.रचनात्मक लेखन में कुशलता प्रदान करना। 2.सूचना तथा प्रतिवेदन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 2.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना	सूचना तथा प्रतिवेदन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	अपठित गद्यांश (3-4 तक)	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये।
	अनुवाद : पंजाबी गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक गद्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	अनुच्छेद : अपने नए घर में प्रवेश	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.नए घर के प्रति रोमांच उत्पन्न करना। 3.पारिवारिक और सामाजिक भावना उत्पन्न करना।	1.'अपने नए घर में प्रवेश' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : करियर चुनाव में स्व मूल्यांकन	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2. स्व मूल्यांकन के योग्य बनाना। 3.उचित करियर चुनने के योग्य बनाना।	1.' करियर चुनाव में स्व मूल्यांकन' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : विद्युत बोर्ड के नाम बिजली की सप्लाई में कमी के सम्बन्ध में आवेदन पत्र।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.समस्या के निवारण करने योग्य बनाना। 3. दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र : 'बाल श्रम : एक अपराध' विषय पर समाचार पत्र के सम्पादक के नाम पत्र।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.समस्या के निवारण करने योग्य बनाना। 3.बाल श्रम की समस्या के प्रति जागरूक करना। 3. दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये। 4.बाल श्रम की समस्या और निवारण पर भाषण प्रतियोगिता करवाना।
नवम्बर	**कविता भाग :** गाता खग	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.प्रकृति के विविध रूपों के दर्शन कराना। 3.परोपकार की भावना जगाना , आशा व विश्वास उत्पन्न करना। 4.जीवन के रहस्यों का दार्शनिक रूप	1. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 2.प्रकृति के विभिन्न रूपों के चित्रों को एकत्र करके चार्ट पर चिपकवायें। 3. प्रकृति चित्रण की कविताओं का संकलन करवायें व वैसी कविताएँ लिखवाने की प्रेरणा दें ।

		समझाना।	
	कहानी (लघु कथाएं) माँ का कमरा	1.बुजुर्गों के प्रति आदर की भावना विकसित करना। 2.आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न करना। 3.दूसरों की बातों में न आकर विवेक से स्वयं निर्णय लेने योग्य बनाना। 4.लघुकथा लिखने की प्रेरणा देना।	1.बुजुर्गों के कल्याण के लिए छात्रों से सुझाव लिखवाये जायें। 2.माँ पर कविता व अन्य लघुकथाओं का संकलन करवायें व कक्षा में सुनें। 3.छात्रों की मौलिक रचनाओं को विद्यालय पत्रिका में स्थान दें।
	लघु कथा - अहसास	1.आत्मविश्वास उत्पन्न करना। 2. आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न करना। 3. शारीरिक चुनौतितयों का सामना करने के योग्य बनाना।	1.शारीरिक चुनौतियों का सामना करने वाले लुई ब्रेल,महाराजा रणजीत सिंह आदि किसी महान व्यक्तित्व की जीवनी पढ़वायी जाये। 2.26 जनवरी पर बहादुर बच्चों के किस्से टेलीविज़न /इंटरनेट पर देखने को कहें और उनकी कक्षा में चर्चा करें।
	निबन्ध : ठेले पर हिमालय	1.प्राकृतिक सुन्दरता के दर्शन कराना। 2.चित्रात्मक शैली से अवगत कराना। 3.यात्रा वृतान्त की जानकारी देना।	1. किसी यात्रा के बारे में छात्रों के अपने अनुभव कक्षा में बाँटें जायें। 2.यात्रा के दौरान कैमरा ले जाकर प्रकृति के दुर्लभ चित्र कैमरे में कैद करने की प्रेरणा दें
	व्याकरण : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार स्वर संधि-दीर्घ संधि, गुण संधि की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
	मुहावरे (31-50 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल व छोटे वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : पर्यायवाची शब्द (शेष भाग)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	जल के अंत में 'ज' लगाकर 'कमल' 'द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं- इस तरह अथवा अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करवाया जाये।
	व्याकरण : वाक्य शुद्धि शेष भाग (7-12 तक)	1.भाषा का शुद्ध रूप सिखाना। 2.व्यावहारिक ढंग से वाक्य शुद्धि का ज्ञान देना।	किया,वाच्य और पुनरुक्ति आदि से सम्बन्धित अशुद्धियों के उदाहरणों से उन्हें शुद्ध रूप में प्रयोग करना सिखायें ।
	प्रपत्र पूर्ति : बैंक प्रपत्र (ड्राफ्ट व चैक सम्बन्धी प्रपत्र)	प्रपत्र पूर्ति का व्यावहारिक ज्ञान देना।	बैंक के खाली प्रपत्रों को देकर विद्यार्थियों से भरवाया जाये।
	सूचना व प्रतिवेदन	1.रचनात्मक लेखन में कुशलता प्रदान करना। 2.सूचना व प्रतिवेदन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना।	सूचना तथा प्रतिवेदन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	अनुच्छेद : विद्यार्थी और अनुशासन	1.अनुशासन का महत्व बताना। 2.स्व अनुशासन के प्रति प्रेरित करना। 3.अच्छा विद्यार्थी/नागरिक बनाना।	1.' विद्यार्थी और अनुशासन' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : कोचिंग संस्थानों का बढ़ता जंजाल	1.आत्मविश्वास उत्पन्न करना। 2.प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी देना। 3.स्वाध्ययन का ज्ञान देना।	1.'कोचिंग संस्थानों का बढ़ता जंजाल' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।

	पत्र : 'जुआखोरी की जानकारी देते हुए समाचार पत्र के सम्पादक के नाम पत्र	1.औपचारिक पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.ज़िम्मेदार नागरिक बनाना। 4.सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए पहल करने योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र :घरों/ शैक्षिक संस्थानों/पर पोस्टर /पम्फ्लैट्स/ लगाने से जनता को होने वाली असुविधा के सम्बन्ध में समाचार पत्र के सम्पादक के नाम पत्र	1.औपचारिक पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.ज़िम्मेदार नागरिक बनाना। 4.जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए पहल करने योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
दिसम्बर	**कविता भाग** जड़ की मुसकान	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.अहं को छोड़कर समाज में नींव की ईंट जैसी भूमिका अदा करने योग्य बनाना। 3.कृतज्ञ बनने की प्रेरणा देना। 4. मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देना।	1.अहंकारी का सिर नीचा-विषय पर विद्यार्थियों के विचार जानें। 2. जड़,तना,पत्ते,और फूल में से विद्यार्थी को कौन सबसे अच्छा लगा और क्यों ? जानें।
	कहानी : दो कलाकार	1.मानवीय भावनाओं से अवगत कराना। 2.नैतिक व सामाजिक भावना का विकास करना। 3.चित्रकला में रुचि विकसित करना। 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम का समावेश की अनुभूति करवाना।	1.विद्यार्थियों द्वारा किसी की मुसीबत में मदद की गई हो तो उस अनुभव की कक्षा में चर्चा की जाये। 2.चित्रकला में निपुण विद्यार्थियों के चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन करें। 3.समाज सुधारकों जैसे मदर टेरेसा, स्वामी दयानन्द सरस्वती आदि की जीवनियों की चर्चा की जाये।
	प्रपत्र पूर्ति (डाकघर से सम्बन्धित)	प्रपत्र पूर्ति का व्यावहारिक ज्ञान देना।	डाकघर के खाली प्रपत्र विद्यार्थियों से भरवाये जायें।
	अनुच्छेद : जनसंचार के माध्यम	1.जनसंचार के बारे में ज्ञान देना। 2.जनसंचार के सदुपयोग के बारे में बताना।	1.'जनसंचार के माध्यम' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अपठित गद्यांश (शेष भाग)	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये।
	विज्ञापन : विज्ञापन सम्बन्धी उदाहरण (शेष भाग)	1.रचनात्मक लेखन में कुशलता प्रदान करना। सूचना तथा प्रतिवेदन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 2.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना।	सूचना तथा प्रतिवेदन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	व्याकरण भाग : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार भाववाचक संज्ञा निर्माण,विशेषण निर्माण,विलोम शब्द,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,संधि, वाक्य शुद्धि आदि पूरे पाठों की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
जनवरी	**निबन्ध** श्री गुरु नानक देव	1.श्री गुरु नानक देव जी के जीवन चरित्र से परिचित करवाना। 2.उनकी शिक्षाओं का ज्ञान देने व उन पर चलने की प्रेरणा देना।	1..श्री गुरु नानक देव जी की यात्राओं को विश्व मानचित्र पर दिखाकर समझायें। 2.उनकी रचनाओं की सूची बनवाइए। 3.उनकी शिक्षाओं को कॉपी में लिखवायें।
	एकांकी : देश के दुश्मन	1.रक्षा सेनाओं की वीरता,त्याग, बलिदान कर्त्तव्यपरायणता का चित्रण करना। 2.उनके परिवार जनों की उदात्त भावनाओं से परिचित कराना।	1.देशभक्ति पर गीत/ कविता गायन का आयोजन करें। 2.विद्यार्थियों से सैनिक के गुण लिखवायें। 3.इस एकांकी को रंगमंच पर मंचित करें।

	पत्र : सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के सुझाव देते हुए सम्पादक के नाम पत्र।	1.औपचारिक पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.ज़िम्मेदार नागरिक बनाना। 4.जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए पहल करने योग्य बनाना। 5.यातायात के नियमों व ध्वनि प्रदूषण का ज्ञान देना। 6.अनुशासन पर चलने की प्रेरणा देना।	1.सड़क सुरक्षा सम्बन्धी नारे लिखवाये जायें। 2.सड़क सुरक्षा रैली का आयोजन किया जाये। 3.स्कूल में समुचित स्थान पर वाहन साइकिल खड़ी करने को कहा जाये। 4. यातायात सम्बन्धी नियमों का चार्ट बनवायें अथवा पुलिस (ट्रैफिक) विभाग से यातायात नियमों का चार्ट लाकर स्कूल में लगवायें।
	अनुच्छेद : मैंने लोहड़ी का त्योहार कैसे मनाया	1.सामाजिक मूल्यों का विकास करना। 2.सहयोग व नेतृत्व की भावना विकसित करना। 3.भारतीय संस्कृति का महत्व बताते हुए । लोहड़ी का विशेष महत्व बताना।	1.' मैंने लोहड़ी का त्योहार कैसे मनाया ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : भ्रूण-हत्या : एक जघन्य अपराध	1.भ्रूण-हत्या सम्बन्धी सामाजिक समस्या के प्रति जागरूकता फैलाना। 2.लिंग असमानता सम्बन्धी धारणा को दूर करने की भावना विकसित करना।	1.' भ्रूण-हत्या : एक जघन्य अपराध ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.भ्रूण-हत्या सम्बन्धी नारे,निबन्ध, भाषण, कविता आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाये। 3.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	प्रपत्र पूर्ति : रेलवे सम्बन्धी प्रपत्र ।	प्रपत्र पूर्ति का व्यावहारिक ज्ञान देना।	रेलवे के खाली प्रपत्र देकर विद्यार्थियों से भरवाये जायें।
	प्रपत्र पूर्ति : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार विभिन्न प्रपत्रों की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
	व्याकरण भाग : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार समास,पर्यायवाची,समरूपी भिन्नार्थक,अनेकार्थक,अनुवाद आदि पूरे पाठों की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
	विज्ञापन,सूचना और प्रतिवेदन : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार विज्ञापन, सूचना और प्रतिवेदन आदि पूरे पाठों की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
फरवरी	**दोहराई एवं प्री बोर्ड मूल्यांकन**		
मार्च	**दोहराई एवं वार्षिक परीक्षा**		

नोट :1.उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठ्य-पुस्तकों में पाठों के अंत में दिए गए अभ्यास करवाये जायें ।
2.उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।